

  
**भारत का राजपत्र**  
**The Gazette of India**

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 145] नई दिल्ली, मंगलवार, मार्च 31, 1981/चैत्र 10, 1903  
No. 145] NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 31, 1981/CHAITRA 10, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

वाणिज्य मंत्रालय

(वस्त्र विभाग)

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1981

का. आ. 262 (अ) :—भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खण्ड 3, उप-  
खण्ड (2) तारीख 8 जनवरी, 1981 के पृष्ठ 37 पर प्रकाशित भारत सरकार के  
वाणिज्य मंत्रालय (वस्त्र विभाग) की अधिसूचना सं. का. आ. 14 (अ) तारीख  
8 जनवरी, 1981 में :—

1. पृष्ठ 37 के द्वितीय स्तम्भ में पंक्ति 4 में—

(1) "1939" के स्थान पर "1980" पढ़ें ;

(2) "पन्निभाषित" के स्थान पर "परिभाषित" पढ़ें

2 पृष्ठ 38 पर—

- (1) पंक्ति 4 में, “अन्य धारण” के स्थान पर “अन्य हित धारण” पढ़ें ;
- (2) पंक्ति 15 में, “विशिष्ट” के स्थान पर “विशिष्टियां” पढ़ें ;

[फा. सं. 29/7/80-जूट]

एस. के. सरकार, संयुक्त सचिव

**MINISTRY OF COMMERCE**

**(Department of Textiles)**

**CORRIGENDUM**

New Delhi, the 31st March, 1981

**S.O. 262(E).**—In the Notification of the Government of India in the Ministry of Commerce (Department of Textiles) No. S.O. 14(E), dated the 8th January, 1981, relating to the National Company Limited (Acquisition and Transfer of Undertakings) Rules, 1980, published in the Gazette of India Extraordinary Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 8th January, 1981 at page 38,—

- (i) in the opening paragraph, for the bracket and words “(Acquisition and Transfer of Undertakings)” read “(Acquisition and Transfer of Undertakings)”;
- (ii) in sub-rule (1) of rule 1, for the bracket and words “(Acquisition and Transfer of Undertakings)” read “(Acquisition and Transfer of Undertakings)”;
- (iii) in rule 3, in line 5,—
  - (a) for “mortgagee”, read “mortgage”;
  - (b) insert “or” between the words “lien” and “other”.

[File No. 29(7)/80-Jute]

S K. SARKAR, Jt. Secy.